

कल्पवृक्ष पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग का एक विशेष वृक्ष जिसके नीचे बैठे व्यक्ति की सभी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं 2. नाक्ष. अत्यंत उदार व महादानी-संस्था या व्यक्ति आदि 3. ऊँचा, विशाल तथा दीर्घजीवी वृक्ष जो समुद्रमंथन के समय चौदह रत्नों में से एक रत्न के रूप में समुद्र से निकला था पर्या. कल्पतरु, कल्पद्रुम, कल्पपादप, कल्पलता।

कल्पशिल्पी पुं. (तत्.) ब्रह्मा, सभी का निर्माता उदा. "धन्य है उस कल्प-शिल्पी की कला"।

कल्प-हिंसा स्त्री. (तत्.) वह जीव-हिंसा जो अन्न की पिसाई तथा पाचन (भोजन पकाने) के कारण होती है।

कल्पांत पुं. (तत्.) 1. कल्प का अंत 2. प्रलय-काल 3. संपूर्ण सृष्टि के अंत का काल 4. प्रलय।

कल्पांतर पुं. (तत्.) कल्प का बदलना, कल्प का परिवर्तन 2. कोई अन्य कल्प जैसे- "यह वर्तमान कल्प नहीं, कल्पांतर की कथा है।

कल्पादि पुं. (तत्.) 1. कल्प का प्रारंभ-काल 2. कल्प की शुरुआत, सृष्टि का आरंभ-काल।

कल्पित वि. (तत्.) 1. जिसकी कल्पना की गई हो 2. मनगढ़ंत 3. आरोपित 4. रचित 5. बनावटी 6. फर्जी, नकली 7. मनमाना।

कल्पित बिंब पुं. (तत्.) (काव्य.) 1. कल्पना शक्ति द्वारा रचित मौलिक सृजन 2. मानस-कल्पित रचना या सर्जना।

कल्मष पुं. (तत्.) 1. पाप 2. मैल, गंदगी 3. पीब, मवाद।

कल्मषगताचार वि. (तत्.) पापी उदा. लंपट, खल कल्मष गताचार -निराला (राम की शक्ति पूजा)।

कल्माष वि. (तत्.) 1. काला 2. चित्र-विचित्र 3. (चित्रवर्ण) चितकबरा 4. धब्बा 5. पिशाच।

कल्माषकंठ पुं. (तत्.) नीले कंठ वाले अर्थात् भगवान शिव, जिनका कंठ गरल-पान (जहर पी लेने) के कारण अपने मौलिक स्वरूप में न रहकर नीला हो गया था।

कल्य पुं. (तत्.) 1. सवेरा, भोर, प्रातःकाल 2. आनेवाला कल 3. शराब, मधु 2. वि. (तत्.) 1. स्वस्थ, नीरोग बलवान 2. दक्ष, चतुर, निपुण 3. अनुकूल 4. शुभ 5. शिक्षाप्रद 6. गूंगा-बहरा।

कल्यपाल पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो शराब बनाता और बेचता है, कलवार, कलाल।

कल्यवर्त पुं. (तत्.) प्रातःकाल का जलपान, 'कलेवा', 'कलेऊ'।

कल्याण पुं. (तत्.) 1. भलाई, शुभ कर्म, मंगल 2. सोना 3. एक रोग 4. विवाह 5. स्वर्ग 6. सौभाग्य, सुख, समृद्धि 7. गुण पुण्य 8. शील, सदाचार वि. (तत्.) 1. भला, अच्छा 2. सुंदर 3. तेजस्वी 4. धर्मात्मा, गुणज्ञ 5. शुभ 6. उदार 7. लाभप्रद 8. श्रेष्ठ 9. सुखी, समृद्ध, भाग्यशाली 10. उचित, ठीक।

कल्याणकर वि. (तत्.) कल्याण (भलाई, मंगल) करने वाला, मंगलकारी।

कल्याणकारी वि. (तत्.) कल्याण करने वाला, शुभ कर्म करने वाला, मंगलकारी, शुभ, अच्छा, मंगलप्रद।

कल्याण-ज्योति स्त्री. (तत्.) (शैव दर्शन) वह ज्योति या दिव्य प्रकाश जो कल्याणप्रद हो, परम-शिव का प्रकाश उदा. सूक्ष्म रूप से जो कल्याण-ज्योति मानवता में अंतर्निहित हैं -प्रसाद (आँधी पृ. 20)

कल्याणार्थ क्रि.वि. (तत्.) कल्याण के लिए उदा. हमें अपने राष्ट्र के कल्याण के लिए ही सोचते रहना चाहिए।

कल्याणी वि.स्त्री. (तत्.) 1. कल्याण करने वाली 2. मंगलकारिणी 3. भाग्यशालिनी 4. सुंदरी 5. रूपवती 6. गाय स्त्री. (तत्.) 1. भद्र महिला 2. गाय 3. कामधेनु 4. उत्तरप्रदेश के प्रयाग में स्थित एक प्रसिद्ध देवी।

कल्याण पुं. (तद्.) दे. कल्याण।

कल्याणी स्त्री. (तद्.) दे. कल्याणी।

कल्लर पुं. (देश.) 1. छोटे-छोटे काम करने के साथ जोंक लगाने का काम करने वाली एक उपजाति